प्लेसेंटा का क्या महत्व है?

प्लेसेंटा में भ्रूण और मातृ रक्त वाहिकाएं होती हैं और इस प्रकार, गैस विनिमय करना, भ्रूण से अपशिष्ट निकालना और पोषक तत्व और प्रतिरक्षा प्रदान करना संभव है। इन कार्यों के अलावा, प्लेसेंटा गर्भावस्था का रखरखाव के लिए बहुत महत्पूर्ण हॉर्मोन भी बनाता है , जैसे एचसीजी, एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन। इस कारण से, संभावित प्लेसेंटा परिवर्तनो से जुड़ी हर चीज प्रसूति विशेषज्ञ और रोगियों दोनों के लिए चिंता विषय है। यह रोगी सूचना सामग्री कुछ अधिक सामान्य अपरा स्थितियों पर चर्चा करेगी जिनका निदान एक मानक अल्ट्रासाउंड इमेजिंग अध्ययन पर किया जा सकता है।

प्लेसेंटल सबकोरियोनिक हेमेटोमा क्या है?

एक ऐसी स्थिति जो लगभग 5% गर्भवती महिलाओं को प्रभावित करती है, गर्भकालीन थैली (पहले की संरचना) और गर्भाशय की दीवार के बीच रक्त के संचय के कारण प्लेसेंटल सबकोरियोनिक हेमेटोमा बनता है! प्रारंभिक गर्भावस्था में योनी से रक्तस्वाव का यह एक सामान्य कारन है, हालाकिं लक्षणों की अनुपस्तिथि में, पहली तिमाही के अल्ट्रासाउंड पर इसका पता लगाया जा सकता है !

हेमेटोमा ज्यादातर समय इसलिए होता है, क्योंकि थैली को सही ढंग से प्रत्यारोपित नहीं होती हैं, जिससे गर्भाशय की दीवार के साथ थैली का संपर्क नहीं रह जाता है, जो हेमेटोमा की उपस्थिति को बढ़ावा देता है। निदान एक अल्ट्रासाउंड परीक्षा के माध्यम से किया जाता है, जो गर्भकालीन थैली और गर्भाशय की दीवार के बीच, विभिन्न आकार के द्रव संग्रह के एक अंधेरे क्षेत्र के रूप में दिखाई देता है। जैसे-जैसे गर्भावस्था आगे बढ़ती है, यह खत्म हो जाता है। अगर हिमेमेना के साथ पेट में दर्द नहीं हैं तो यह स्तिथि ज्यादा चिंता जनक नहीं है!

प्लेसेंटा में इन्फर्क्शन क्यों होता है ?

प्लेसेंटा इन्फार्कट का पता तब चलता है जब जन्म के बाद रोगविज्ञानी द्वारा प्लेसेंटा की जांच की जाती है। (थक्का जमने) के कारण होता है। व्यापक होने पर, यह शिशु में रक्त के प्रवाह में रुकावट पैदा कर सकता है। थ्रोम्बोसिस धमनियों और नसों में रुकावट है, जो रक्त वाहिकाओं में बनने वाले थक्कों के कारण होता है !

रक्त वाहिकाओ और यह जटिलता वंशानुगत थक्के विकारों, जैसे थ्रोम्बोफिलिया, या उच्च रक्तचाप से जटिल गर्भावस्था के मामलो से अधिक आम है ! प्लेसेंटल इन्फार्कटस को अक्सर अल्ट्रासाउंड पर प्लेसेंटा के भीतर या उसके किनारे पर गोल , काले क्षेत्रो के रूप में पहचाना जा सकता है, जो चमकीले किनारों से घिरे होते है ! उनका अगर एकाध जगह मातृ ही तो परिणाम सही रहता है ! लेकिन जब ज्यादा होता है , तो गर्भावस्था पर गंभीर असर हो सकता है !

उच्च जोखिम वाली गर्भावास्थाओ में, जन्म के बाद पैथोलोजिस्ट द्वारा प्लेसेंटा की जांच से अंतर्निहित ... या भ्रूण की स्तिथियों के बारे में सुराग मिल सकता है जो प्रतिकूल परिणाम की और ले जा सकता है ! इस जानकारी के साथ आपके डॉक्टर भविष्य की गर्भावास्था में इन घटनाओं की पुनरावृति को कम करने के लिए उचित सलाह देंगे !

Last updated 2024